

शिव प्रिय मेकल, शैल सुमसी - सकल सिद्धि सुख, सम्पत्ति राशी ॥२॥

मैं भक्ति का वर दे ॥२॥ मैं भक्ति का वर दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ हर हर नमो दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ जय जय नमो दे ॥२॥

① अमरकंटक से, उदगम पाया - रत्नसागर खोप बनाया ॥२॥

जग पे कृपा मैं कर दे ॥२॥ जग पे कृपा मैं कर दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ हर हर नमो दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ जय जय नमो दे ॥२॥

② पूरन से, पश्चिम जलधारा - सकल विश्व ना, पाया पारा ॥२॥

शक्ति कलश मैं भर दे ॥२॥ शक्ति कलश मैं भर दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ हर हर नमो दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ जय जय नमो दे ॥२॥ शिव प्रिय मेकल -

③ मैं नर्मदा की, पावन शक्ति - दर्शन से नर पाये मुक्ति ॥२॥

मन की पीडा हर दे ॥२॥ मन की पीडा हर दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ हर हर नमो दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ जय जय नमो दे ॥२॥

④ "श्री बाबा श्री" खड़े, शिशु कफये - श्री करणों में ध्यान लगाये ॥२॥

हथ दिया को, धर दे ॥२॥ हथ दिया को, धर दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ हर हर नमो दे ॥२॥

हर हर नमो दे ॥२॥ जय जय नमो दे ॥२॥ शिव प्रिय मेकल -